स्पेशल टास्क फोर्स, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

प्रेस नोट संख्याः 154, दिनांक 25–05–2024

फर्ज़ी काल सेन्टर खोलकर व विदेशी हैकरो व साइबर फ्राडो द्वारा संचालित किये जा रहे accs-market-com के माध्यम से फर्ज़ी टेलीग्राम आई0डी0 प्राप्त कर ऑनलाइन गैम्बलिंग गेम तैयार कर भोले–भाले लोगों के साथ धोखाधड़ी करने व फ्रॉड की गयी राशी में हिस्सा लेकर किराये पर फर्जी कॉर्पोरेट बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह के सरगना समेत 5 अन्य सदस्य गिरफ्तार।

आज दिनांक 25–05–2024 को एसटीएफ उ0प्र0 लखनऊ को फर्ज़ी काल सेन्टर खोलकर व विदेशी हैकरों व साइबर फ्राडो द्वारा संचालित किये जा रहे accs-market-com के माध्यम से फर्ज़ी टेलीग्राम आईडी प्राप्त कर ऑनलाइन गैम्बलिंग गेम तैयार कर भोले–भाले लोगों के साथ धोखाधड़ी करने व फ्रॉड की गयी राशी में हिस्सा लेकर किराये पर फर्जी कॉर्पोरेट बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह के सरगना समेत 5 अन्य सदस्यो को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरणः

1– धीरज कुमार सिंह पुत्र कामेश्वर सिंह नि0 अजगरी, थाना पकड़ी दयाल, जिला मोतिहारी बिहार, हाल पता सेक्टर–बी, विजय नगर नीलमथा, थाना अंसल, लखनऊ।

2– तरुण पुरूषोत्तम गावरी पुत्र पुरुषोत्तम गावरी नि0 10/648 इंदिरा नगर, लखनऊ।

3– अभिषेक उर्फ़ पत्रकार पुत्र अशोक कुमार निवासी मकान नंबर 15/234, अभय नगर कॉलोनी, थाना कोतवाली बाराबंकी।

4– सर्वजीत सिंह पुत्र उमा प्रताप सिंह नि0 ग्राम पिछोरी, थाना हैदरगढ़, बाराबंकी। हाल पता मकान नंबर 16 दयाल इन्क्लेव, इन्दिरा नगर, लखनऊ।

5– रशीद खान पुत्र अब्दुल हामिद नि0 बंकी उत्तर टोला पीर बटावन, थाना नवाबगंज, बाराबंकी।

6– अमन यादव पुत्र स्वर्गीय सुकई यादव नि0 ग्राम आसैनी सफेदाबाद, बाराबंकी। हाल पता नाहर कॉलोनी मोहन नगर, थाना कोतवाली, बाराबंकी।

बरामदगीः–

(1)– 5 अदद फर्जी व कूटरचित आधार कार्ड
(2)– 4 अदद प्री एक्टिवेटिड सिमकार्ड
(3)– 58 अदद सिमकार्ड
(4)– विभिन्न कॉर्पोरेट खातो की 3 अदद चेक बुक 2 अदद डेबिट कार्ड
(5)– 6 अदद मोबाइल फ़ोन
(6)– 1 अदद चार पहिया वाहन
(7)– 1 अदद दो पहिया वाहन

गिरफ्तारी का दिनांक एवं स्थान/समयः–

दिनांक 25–05–2024 समय 08:55 बजे सफेदाबाद क्रासिंग, जनपद बाराबंकी।

विगत काफी दिनों से एस0टी0एफ0 मुख्यालय लखनऊ को फ़र्ज़ी काल सेन्टर खोलकर व विदेशी हैकरों व साइबर फ्राडो द्वारा संचालित किये जा रहे accs-market-com के माध्यम से फ़र्ज़ी टेलीग्राम आईडी प्राप्त कर ऑनलाइन गैम्बलिंग गेम तैयार कर भोले–भाले लोगो के साथ धोखाधड़ी करने व फ्रॉड की गयी राशी में हिस्सा लेकर किराये पर फर्जी कॉर्पोरेट बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह के सम्बन्ध में सूचनाएं प्राप्त हो रहीं थीं, जिसके सम्बन्ध में श्री धर्मेश कुमार शाही, पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ, लखनऊ की पर्वेक्षणाधीन टीम द्वारा अभिसूचना संकलन की कार्यवाही की जा रही थी।

अभिसूचना संकलन से आज दिनांकः–25–05–2024 को उप निरीक्षक अतुल चतुर्वेदी को मुखबिर ख़ास से सूचना प्राप्त हुयी की फ़र्ज़ी काल सेन्टर खोलकर व विदेशी हैकरों व साइबर फ्राडो द्वारा संचालित किये जा रहे accs&market-com के माध्यम से फ़र्ज़ी टेलीग्राम आईडी प्राप्त कर ऑनलाइन गैम्बलिंग गेम तैयार कर भोले भाले लोगो के साथ धोखाधड़ी करने व फ्रॉड की राशिं में फिक्स परसेंटेज लेकर किराए पर कॉर्पोरेट बैंक खाते उपलब्ध करने वाला संगठित गिरोह जनपद बाराबंकी में मौजूद है तथा साइबर फ्राडों के लिए फर्जी आधार–कार्ड, सिमकार्ड व बैंक खाते की व्यवस्था कर रहा है। मुखबिर से प्राप्त सूचना पर तत्काल प्रतिक्रिया करते हुए उ0नि0 अतुल चतुर्वेदी मय उ0नि0 प्रदीप सिंह, मु0आरक्षीगण नीरज पाण्डेय, रामनिवास शुक्ला, राजीव कुमार व आ0 अमित त्रिपाठी एवं आ0 अमर श्रीवास्तव मय वाहन चालक अफज़ाल अली को साथ लेकर मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचकर मुखबिर की निशादेही पर उक्त साइबर फ्राडो को आवश्यक बल प्रयोग कर गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तो से बरामद आधारकार्ड, सिम कार्ड, चेक–बुक के सम्बन्ध में पुछा गया तो बताया की बरामद पांचो आधारकार्ड फर्जी हैं। धीरज, तरुन, सर्वजीत ने बताया की हम लोग राशिद, अमन, अभिषेक से विभिन्न बैंको के कॉर्पोरेट बैंक अकाउंट उनकी चेक बुक, डेबिट कार्ड व सिम कार्ड खरीदते हैं, जिन्हे हम लोग राज व शुक्ला को देते हैं। यह लोग हमसे टेलीग्राम के माध्यम से जुड़े थे फिर हम लोगो से पिछले करीब एक वर्ष से अकॉउंट लेकर इनमे करोड़ो रुपया ऑनलाइन गेमिंग का मंगाते हैं। दो तीन दिन चलने के बाद ये अकाउंट बैंको द्वारा फ्रीज कर दिए जाते हैं। हम लोग ब्लैंक और एक्टिवेटिड सिम भी इन्हीं लोगों से खरीदकर राज व शुक्ला को देते हैं। ये लोग इसपर नम्बर क्लोन कराकर फ्रॉड करते हैं। फर्जी आधार कार्ड हम लोग सिम कार्ड खरीदने होटल में कमरा लेने इत्यादि कामों में इस्तेमाल करते हैं। इस काम से इन खातों में जितना पैसा आता है उसका पांच प्रतिशत शुक्ला व राज हम लोग को देते हैं। पूर्व में भी कई बैंक अकाउंट राशिद के माध्यम से अमन व अभिषेक ने हम लोग को दिए है, जिसका पूरा डाटा हम लोग के मोबाइल में है। मोबाइल फोनो को चेक किया गया तो टेलीग्राम व व्हाट्सप्प चैट में बहोत सारे खातों के लेनदेन के सम्बन्ध में चैट व खातों के सम्बन्ध में फोटोग्राफ मौजूद मिले।

बरामद 58 सिम कार्डो के सम्बन्ध में पुछा गया तो बताया की ये सारे सिम कार्ड हम लोग को दक्ष निवासी सिचाई विभाग कॉलोनी, बाराबंकी द्वारा उपलब्ध कराया गया था।

विस्तृत पूछताछ से यह विश्वास होने पर की पकड़े गए सभी युवको द्वारा पूरे देश में चल रहे ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड करने वाले संगठित साइबर फ्रॉड गिरोहों को फर्जी तौर पर फ्रॉड की रकम में निश्चित परसेंटेज लेकर कॉर्पोरेट बैंको के खाते चेक बुक उससे कनेक्टेड सिम कार्ड उपलब्ध कराये जाते हैं तथा उन्हें ब्लैंक व प्री एक्टिवेटिड सिम कार्ड व फर्जी व कूट रचित आधारकार्ड भी बनवाकर साइबर फ्रॉड करने के लिए उपलब्ध कराये जाने का कार्य किया जा रहा है

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध थाना कोतवाली जनपद बाराबंकी में मु0अ0सं0 459/24 धारा–419/420/467/468/471 व 120बी आईपीसी का पंजीकृत कराया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।